No. of Printed Pages : 3

MVS–004

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–004 : निरुक्त एवं प्रातिशाख्य

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं। 4×15=60

1. निघण्टु और निरुक्त के सम्बन्ध का वर्णन कीजिए।

2. निरुक्त के आधार पर भाव-विकारों का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. सिद्ध कीजिए कि 'भाषा विज्ञान के मौलिक सिद्धान्तों के मूल में निरुक्त की भूमिका हैं'।

4. देवता आकार चिन्तन क्या है ? पठित अंश के आधार पर विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. मंत्र क्या है ? इसके प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।

6. निर्वचन की परम्परा में भारतीय संकल्पना क्या है ? भारतीय निर्वचन परम्परा का वर्णन कीजिए।

7. प्रातिशाख्यों के आधार पर स्वर व्यंजन सन्धियों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

8. अग्नि देवता के स्वरूप का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। $4 \times 10 = 40$

1. निपात एवं उपसर्ग में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. ऋग्वेद प्रातिशाख्य के आधार पर संज्ञाओं का वर्णन कीजिए।

3. अन्तरिक्ष स्थानीय देवता के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. वेद की अर्थवत्ता का संक्षिप्त रूप में वर्णन कीजिए।

5. उदात्त तथा अनुदात्त स्वरों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

6. वैश्वानर एवं जातवेदस् का परिचय लिखिए।

7. ऋक् प्रातिशाख्य के आधार पर परिभाषाओं का परिचय दीजिए।

8. शौनककृत वृहद्देवता के अनुसार वैदिक देवता के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com